



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 183]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 26, 1983/कार्तिक 4, 1905

No. 183]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 26, 1983/KARTIKA 4, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 1983

सं० एफ० 4 (5) डब्ल्यू० एण्ड एम०/ 83 :—7.75 प्रतिशत ऋण, 1991 (तीसरा निर्गम) 8.25 प्रतिशत ऋण, 1995 (दूसरा निर्गम) और 10.00 प्रतिशत ऋण 2014 (चौथा निर्गम) के लिए 600 करोड़ रुपये की कुल राशि के लिए 7 नवम्बर, 1983 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नकदी में स्वीकार किये जाएंगे। पर-क्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 7 नवम्बर, 1983 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित आदाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जाएंगे। सरकार को 600 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक के अभिदानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 660 करोड़ रुपये से अधिक हो तो ऋणों के संवर्ध में आनुपातिक

आधार पर आंशिक आबंटन किया जायेगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन के बाद यथा-शीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशि पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जाएगा।

3. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 15 जुलाई, 1991 को सममूल्य प्रतिधेय 7.75 प्रतिशत ऋण, 1991 (तीसरा निर्गम)

- (1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 15 जुलाई, 1991 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 7 नवंबर 1983 से वार्षिक 7.75 प्रतिशत होगी। 7 नवम्बर 1983 से 14 जनवरी, 1984 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि के लिए ब्याज 15 जनवरी, 1984 को अदा किया जाएगा और इसके बाद प्रत्येक छमाही में 15 जुलाई, और

15 जनवरी को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद के 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

4. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 30 सितम्बर 1995 को सममूल्य पर प्रतिदेय 8.25 प्रतिशत ऋण, 1995 (दूसरा निर्गम)

- (1) वापसी अदायगी की तारीख :—ऋण 30 सितम्बर 1995 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य :—आवेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (सार्केनिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 7 नवम्बर 1983 से वार्षिक 8.25 प्रतिशत होगी। 7 नवम्बर, 1983 से 29 मार्च, 1984 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि के लिए ब्याज 30 मार्च, 1984 को अदा किया जायेगा और उसके बाद हर छमाही में 30 सितम्बर और 30 मार्च, को ब्याज अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

5. रु० 100 00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 30 मई, 2014 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.00 प्रतिशत ऋण, 2014 (चौथा निर्गम)

- (1) वापसी अदायगी की तारीख :—ऋण 30 मई, 2014 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य :—आवेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100 00 (सार्केनिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।
- (3) ब्याज :—इस ऋण की ब्याज दर 7 नवम्बर, 1983 से वार्षिक 10 00 प्रतिशत होगी। 7 नवम्बर, 1983 से 29 नवम्बर, 1983 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि के लिए ब्याज 30 नवम्बर 1983 को अदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 30 मई और 30 नवम्बर को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

पूरक व्यवस्था

6. आवेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे।

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गोहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

7. ब्याज अदा करने का स्थान :—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गोहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना, और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और काश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप राजकोष में ब्याज अदा किया जाएगा।

8. ब्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हो।

, जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें वह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतर दर पर कर की कटौती कर उसे ब्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिस की कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणापत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

9. अब जारी किये जानेवाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलनेवाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलनेवाली आय को वार्षिक 7,000 रुपयों की सीमा तक और आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 80उ के अन्य उपबंधों के अधीन आय कर से छूट प्राप्त होगी।

10. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जानेवाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य की भी 1,65,000 रुपयों की सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

11. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जायेंगी।

(i) स्टॉक प्रमाणपत्र, या (ii) वचनपत्र।

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करें तो उन्हें वचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जाएंगी।

12. ऋणों के लिए आवेदनपत्र—ऋणों के लिए आवेदनपत्र रु० 100 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

13. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता है।

14. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम आहरित किये जाने चाहिए।

15. स्वीकृत बैंकों और दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मुहुरयुक्त ऋण-आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति रु० 100.00 (सांकेतिक) 6 पैसे की दर पर दलाली अदा की जाएगी।

दलाली की अदायगी के लिए ऋण जारी किये जाने की तारीख से छः महीने के भीतर संबंधित कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से
ए० रंगाचारी, संयुक्त सचिव

आवेदनपत्र का फार्म

मैं/हम*..... इसके साथ

(पूरा/पूरे नाम)

रु०..... (..... रुपये) के लिए नकदी*/चेक प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं* और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें* नीचे उल्लिखित मूल्य वर्ग/वर्गों में वचन पत्र (पत्रों)*/स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में रु०..... के सांकेतिक मूल्य के 7.75 प्रतिशत ऋण, 1991 (सीमा निर्गम)*/8.25 प्रतिशत ऋण, 1995 (दूसरा निर्गम)*/10.00 प्रतिशत ऋण, 2014 (चौथा निर्गम)* की प्रतिभूतियां जारी की जाएं:—

प्रति वचनपत्र रु०..... का (के) +..... वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु०..... का (के) +..... वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु०..... का (के) +..... वचनपत्र

2. मैं/हम* चाहता हूँ/चाहती हूँ कि उनका ब्याज..... में अदा किया जाए।

| विशेष टिप्पणी: | | इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें। प्रतिभूतियां अदाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी | |
|---|--|--|---------------------|
| | | छोटे हस्ताक्षर | दिनांक |
| आवेदन पत्र सं० | | | हस्ताक्षर |
| “दलाली नहीं” मुहर | | | पूरा/पूरे नाम |
| नकदी प्राप्त होने की तारीख | | | |
| चेक वसूल होने की तारीख | | | |
| विशेष चालू खाते में जमा करने की तारीख | | | पता: |
| जांच की गयी | | | |
| नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया | | | |
| दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया | | | |
| मांग पत्र सं० | | | |
| प्रतिभूति सं० | | | |
| कार्ड सं० | | | |
| वाउचर पारित करने की तारीख | | | दिनांक: नवंबर 1983 |

*जो आवश्यक न हों उसे काट दिया जाए।

रु० 100, रु० 200, रु० 500, रु० 1,000, रु० 5,000, रु० 10,000, रु० 25,000, रु० 50,000 और रु० 1,00,000 के मूल्य वर्गों में वचनपत्र जारी किये जायेंगे। जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका यहाँ उल्लेख करें।

टिप्पणियां:

(1) प्रत्येक ऋण, अभिवान के प्रत्येक प्रकार और अपेक्षित नये ऋण की प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टॉक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।

- (2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अगुठे के निष्पान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साथी हों। माझिया के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएँ।
- (3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहुँचे ही पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये जाएँ—
- (i) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रिक के अधीन जारी करनेवाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि।
 - (ii) कंपनी/निकाय के शासन पत्र और अन्तर्निमय या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियाँ।
 - (iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति (यों) के पक्ष में किये गये सकल की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
- (4) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियाँ प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें छमाही ब्याज के प्रेषण के लिए (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) प्रावेश फार्म भी भरना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
NOTIFICATION

New Delhi, the 26th October, 1983

No. F. 4(5) W&M/83.—Subscriptions for the issues of 7.75 per cent. Loan, 1991 (Third Issue), 8.25 per cent. Loan, 1995 (Second Issue) and 10.00 per cent. Loan, 2014 (Fourth Issue) for an aggregate amount of Rs. 600 crores will be received in the form of cash on the 7th November 1983 upto the close of Banking hours. In the event of 7th November 1983 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent. in excess of the sum of Rs. 600 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 660 crores, partial allotment will be made in respect of the loans on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 7.75 per cent. Loan, 1991 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 15th July 1991.

- (i) Date of Repayment.—The Loans will be repaid at par on the 15th July 1991.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7.75 per cent. per annum from 7th November 1983. The interest for the period from 7th November 1983 to 14th January 1984 (inclusive) will be paid on 15th January 1984 and thereafter interest will be paid half-

yearly on the 15th July and 15th January. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4.8 25 per cent. Loan, 1995 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 30th September 1995.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 30th September 1995.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 8.25 per cent. per annum from 7th November 1983. The interest for the period from 7th November 1983 to 29th March 1984 (inclusive) will be paid on 30th March 1984 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 30th September and 30th March. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 10.00 per cent. Loan, 2014 (Fourth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 30th May 2014.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 30th May 2014.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 10.00 per cent. per annum from 7th November 1983. Interest for the period from 7th November 1983 to 29th November 1983 (inclusive) will be paid on 30th November 1983 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 30th May and 30th

November. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

6. Applications will be received at—

(a) Officer of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and

(b) Branches of the State Bank of India at all the DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

7. Place of Payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India, at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application a certificate from the Income-Tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

9. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government

Securities and income from other approved investments will be exempt from Income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of section 80L of the Income-tax Act, 1961.

10. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the Wealth-tax upto Rs.1,65,000.

11 The securities will be issued in the form of—

(i) Stock Certificates, or (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

12. Applications for the Loans—Applications for the Loans must be for Rs.100 or multiple of that sum.

13. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

14. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

15. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs.100.00 (Nominal) to recognised banks and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of floatation of the loans.

By order of the President,
A.RANGACHARI, Jt. Secy.

FORM OF APPLICATION

I/We*

(Full Name (s) in Block Letters)

.. ..

herewith

Cash*

tender— Rs

(Rupees.....)

Cheque for

and request that Securities of 7 75 per cent, Loan, 1991 (Third Issue)* /3 25 per cent Loan, 1995 (Second Issue)* /10 00 per cent Loan 2114 (Fourth Issue)* of the nominal value of Rs

may be issued to me/us* in the form of

*Promissory Note(s) in the
Stock Certificate

denomination(s) stated below :—

..... Promissory Note(s) † of Rs. each
 Promissory Note(s) † of Rs. each
 Promissory Note(s) † of Rs. each
 I, I/We* desire that interest be paid at.....

N.B. applicant should not write anything in this cage.
 The entries will be filled in by the Receiving Office.

| | Initials | Date | Signature(s) Name(s) in full..... (Block Letters) |
|---------------------------------|----------|------|---|
| Application No. | | | |
| N.B. Stamp | | | |
| Cash received on | | | |
| Cheque realised on | | | |
| Credited to Special | | | |
| Current Account on. | | | Address..... |
| Examined | | | |
| Cash Applications | | | |
| Register posted | | | |
| Brokerage Register Posted | | | |
| Indent No. | | | |
| Scrip No. | | | |
| Card No. | | | |
| Voucher passed on | | | Dated the of November 1983. |

*Delete what is not required.

† Promissory notes will be issued in denomination of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000, State here the particular denomination(s) required.

Notes—(1) Separate applications should be made for each Loan, each form of subscription and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.

(2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :—

(i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true [by the issuing authority under his Office seal.

(ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/By-laws of the company/body.

(iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).

(4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.